



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 300]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 22, 2009/ज्येष्ठ 1, 1931

No. 300]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 22, 2009/JYAISTHA 1, 1931

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2009

सं. 6/2009-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 351(अ).—अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उप-धारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, यह समाधान होने पर कि जनहित में ऐसा करना अनिवार्य है, एतद्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण में सा.का.नि. 256(अ) दिनांक 16 मार्च, 1995 के जरिए प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 64/95-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 16 मार्च, 1995 में पुनः निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, सारणी में क्रम संख्या 25 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :—

(1)	(2)	(3)
"26.	रक्षा मंत्रालय के एडी कार्यक्रम के लिए अपेक्षित मशीन, उपस्कर, यंत्र, संघटक, पुर्जे, उपकरण, जुड़नार, रंग, औजार, उपसाधन, कम्प्यूटर सॉफ्ट-वेयर, कच्चा माल एवं उपभोग्य पदार्थ	यदि,— (i) रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कार्यक्रम एडी को आपूर्ति की जाती है; और (ii) उक्त माल की निकासी से पूर्व सदस्य सचिव, कार्यक्रम प्रबंधन बोर्ड, कार्यक्रम निदेशक एडी के कार्यक्रम एडी, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला, हैदराबाद से इस आशय का प्रमाण-पत्र उपर्युक्त अधिकारी के पास प्रस्तुत किया जाता है कि ऐसे माल उक्त कार्यक्रम एडी के उद्देश्यार्थ हैं। स्पष्टीकरण: —इस छूट में अंतर्निहित कोई भी बात 16 जुलाई, 2016 को अथवा इसके बाद लागू होगी।"

[फा. सं. 354/92/2009-टी आर यू]

उन्मेष वाघ, अवर सचिव

नोट :—मूल अधिसूचना सं. 64/95-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 16 मार्च, 1995 भारत के राजपत्र, असाधारण में सं. सा.का.नि. 256 (अ), दिनांक 16 मार्च, 1995 के जरिए प्रकाशित हुई थी और इसमें अंतिम बार संशोधन सा.का.नि. 184 (अ), दिनांक 17 मार्च, 2008 के जरिए प्रकाशित अधिसूचना सं. 15/2008-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 17 मार्च, 2008 के द्वारा किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 22nd May, 2009

No. 6/2009-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 351(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), Central Government, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No.64/95-Central Excise, dated the 16th March, 1995 which was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R.256(E), dated the 16th March, 1995, namely:-

In the said notification, in the Table, after the serial number 25 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be added, namely:-

(1)	(2)	(3)
"26.	Machinery, equipment, instruments, components, spares, jigs, fixtures, dies, tools, accessories, computer software, raw materials and consumables required for Programme AD of Ministry of Defence	<p>If,-</p> <p>(i) supplied to the Programme AD under the Ministry of Defence; and</p> <p>(ii) before clearance of the said goods, a certificate from the Member Secretary, Programme Management Board, Programme AD or Programme Director AD, Defence Research and Development Laboratory, Hyderabad, to the effect that such goods are intended for the said Programme AD, is produced to the proper officer.</p> <p><i>Explanation.</i> — Nothing contained in this exemption shall have effect on or after the 16th day of July, 2016."</p>

[F.No. 354/92/2009-TRU]

UNMESP WAGH, Under Secy.

Note:— The principal notification No.64/95-Central Excise, dated the 16th March, 1995 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. 256(E), dated the 16th March, 1995 and was last amended vide notification No.15/2008-CE dated the 17th March, 2008 which was published vide number G.S.R. 184(E), dated the 17th March, 2008.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2009

सं. 51/2009-सीमा शुल्क

सा.का.नि. 352(अ).— जबकि चीन जनवादी गणराज्य और इंडोनेशिया (एतदपश्चात् विषयागत देश के रूप में उल्लिखित) में उत्पादित और वहां से निर्यातित और भारत में आयातित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के शीर्ष 7005 के अंतर्गत आने वाले सजावटी, औद्योगिक अथवा स्वचलन उद्देश्य के लिए प्रसंस्कृत ग्लास को छोड़कर 2 मि मी. से 12 मि.मी. (दोनों मुटाई सहित) की मुटाई वाले पारदर्शी और रंगीन (हरे ग्लास को छोड़कर) फ्लोट ग्लास के आयात के मामले में प्राधिकृत प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-I, खंड-1, दिनांक 22 अगस्त, 2003 में प्रकाशित अपने अंतिम निष्कर्ष सं. 14/19/2002-डी जी एडी, दिनांक 22 अगस्त, 2003 के जरिए घरेलू उद्योग की क्षति को रोकने के लिए विषयागत देशों में उत्पादित अथवा वहां से निर्यातित सजावटी, औद्योगिक अथवा स्वचलन उद्देश्य के लिए परावर्तक, प्रसंस्कृत ग्लास को छोड़कर पारदर्शी और रंगीन (हरे ग्लास को छोड़कर) 2 मि मी से 12 मि मी (दोनों मुटाई सहित) वाले फ्लोट ग्लास (एतदपश्चात् विषयागत माल के रूप में उल्लिखित) के सभी आयात पर अंतिम प्रतिपाटन शुल्क लगाने की सिफारिश की थी;

और जबकि प्राधिकृत प्राधिकारी के उपर्युक्त निष्कर्षों के आधार पर केन्द्र सरकार ने सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर प्रतिपाटन शुल्क की पहचान, मूल्यांकन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के नियम 18 और 20 के साथ पठित उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण भाग-II, खंड-3, उपखंड (i) में सा.का.नि.सं.887 (अ), दिनांक 12 नवम्बर, 2003 के जरिए प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं.165/2003-सीमा शुल्क, दिनांक 12 नवम्बर, 2003 के द्वारा विषयागत माल पर प्रति पाटन शुल्क लगाया था;

और जबकि प्राधिकृत प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-I, खंड-1, दिनांक 13 दिसम्बर, 2007 में प्रकाशित अधिसूचना सं.15/1/2007-डी जी एडी, दिनांक 13 दिसम्बर, 2007 के जरिए विषयागत देशों में उत्पादित अथवा वहां से निर्यातित और भारत में आयातित उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के शीर्ष 7005 के अंतर्गत आने वाले सजावटी, औद्योगिक अथवा स्वचलन उद्देश्य के लिए प्रसंस्कृत ग्लास को छोड़कर 2 मि मी से 12 मि मी (दोनों शामिल) की मुटाई वाले पारदर्शी और रंगीन (हरे ग्लास को छोड़कर) फ्लोट ग्लास के आयात पर प्रति पाटन शुल्क को जारी रखने के मामले में अल्पकालिक समीक्षा शुरू की थी;

और जबकि प्राधिकृत प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-I, खंड-1, दिनांक 2 दिसम्बर, 2008 में प्रकाशित अपने अंतिम निष्कर्ष सं. 15/1/2007-डी जी एडी के जरिए प्रति पाटन शुल्क को जारी रखने की सिफारिश की थी;

और जबकि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 165/2003-सीमा शुल्क, दिनांक 12 नवम्बर, 2003 को रद्द करते हुए और रद्द करने से पूर्व सम्पन्न अथवा सम्पन्न होने से विलोपित बातों को छोड़कर उक्त सीमा शुल्क टैरिफ नियमावली के नियम 18 और 23 के साथ पठित उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (1) और (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार ने प्राधिकृत प्राधिकारी के उपर्युक्त निष्कर्षों पर विचार करने के बाद भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उप खंड (i) में उसी तिथि की सा.का.नि.सं. 14 (अ) के जरिए प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 4/2009 - सीमा शुल्क, दिनांक 6 जनवरी, 2009 के द्वारा उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के शीर्ष 7005 के अंतर्गत आने वाले सजावटी, औद्योगिक अथवा स्वचलन उद्देश्य के लिए प्रसंस्कृत ग्लास को छोड़कर पारदर्शी और रंगीन (हरे ग्लास को छोड़कर) 2 मि मी से 12 मिमी (दोनों सहित) की मुटाई वाले फ्लोट ग्लास के भारत में आयात पर प्रतिपाटन शुल्क लगाया है।

और जबकि उक्त सीमा शुल्क टैरिफ नियमावली के नियम 23 के साथ पठित नियम 4 के अनुरूप प्राधिकृत प्राधिकारी द्वारा प्रतिपाटन शुल्केय वस्तु का पता लगाने, पाटन के मार्जिन के बराबर अथवा इससे कम प्रति पाटन शुल्क की राशि जिसके लगाए जाने से घरेलू उद्योग की क्षति दूर होगी, की सिफारिश करने तथा ऐसी वस्तुओं पर प्रतिपाटन शुल्क जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करने के लिए किसी वस्तु के आयात के संबंध में किसी आरोपित पाटन की स्थिति, डिग्री और प्रभाव का अन्वेषण करना अपेक्षित है;

इसलिए अब उक्त सीमा शुल्क टैरिफ नियमावली के नियम 4, 18 और 23 के साथ पठित उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क की उप धारा (1) और (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 4/2009-सीमा शुल्क, दिनांक 6 जनवरी, 2009 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात:-

उक्त अधिसूचना में प्रारंभिक पैरा में "तथा को छोड़कर रंगीन (हरे ग्लास को छोड़कर)" शब्दों के बाद "परिवर्तक ग्लास" शब्द जोड़े जाएंगे।

[फा. सं. 354/211/2002-टी आर यू (भाग-I)]

उन्मेष शरद वाच, अवर सचिव

नोट : मूल अधिसूचना सं. 4/2009-सीमा शुल्क, दिनांक 6 जनवरी, 2009 भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उप खंड (i) में सा.का.नि. सं.14(अ), दिनांक 6 जनवरी, 2009 के जरिए प्रकाशित हुई थी।

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2009

No. 51/2009-CUSTOMS

G.S.R. 352(E).— Whereas, in the matter of import of Float Glass of thickness 2 mm to 12 mm (both thickness inclusive) of clear as well as tinted variety (other than green glass) but not including processed glass meant for decorative, industrial or automotive purposes, falling under heading 7005 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), originating in or exported from the Peoples' Republic of China and Indonesia (hereinafter referred to as the subject countries), and imported into India, the designated authority *vide* its final findings No. 14/19/2002-DGAD, dated the 22nd August, 2003, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 22nd August, 2003, had recommended to impose final anti-dumping duty on all imports of Float Glass of thickness 2 mm to 12 mm (both thickness inclusive) of clear as well as tinted variety (other than green glass) but not including reflective glass, processed glass meant for decorative, industrial or automotive purposes (hereinafter referred to as the subject goods) originating in or exported from the subject countries so as to remove the injury to the domestic industry;

And whereas, on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9A of the said Customs Tariff Act read with rules 18 and 20 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, imposed an anti-dumping duty on the subject goods *vide* notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 165/2003-Customs, dated the 12th November, 2003, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* G.S.R. No. 887(E), dated 12th November, 2003;

And whereas, the designated authority, *vide* its Notification No. 15/1/2007-DGAD, dated the 13th December, 2007, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 13th December, 2007 had initiated a sunset review in the matter of continuation of anti-dumping on imports of Float Glass of thickness 2 mm to 12 mm (both inclusive) of clear as well as tinted variety (other than green glass) but not including processed glass meant for decorative, industrial or automotive purposes, falling under heading 7005 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act, originating in or exported from the subject countries and imported into India;

And whereas, the designated authority *vide* its final findings No. 15/1/2007-DGAD, dated the 2nd December, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 2nd December, 2008 had recommended continued imposition of the anti-dumping duty;

And whereas, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (5) of section 9A of said Customs Tariff Act read with rules 18 and 23 of the said Customs Tariff Rules, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No.165/2003-Customs, dated the 12th November, 2003, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, after considering the aforesaid findings of the designated authority, has imposed an anti-dumping duty on the imports into India of Float Glass of thickness 2 mm to 12 mm (both inclusive) of clear as well as tinted variety (other than green glass) but not including processed glass meant for decorative, industrial or automotive purposes, falling under Heading 7005 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act, vide notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No.4/2009-Customs, dated the 6th January, 2009, which was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* G.S.R. No.14(E) of the same date;

And whereas, in terms of rule 4 read with rule 23 of said Customs Tariff Rules, the designated authority is required to investigate as to the existence, degree and effect of any alleged dumping in relation to import of any article, to identify the article liable for anti-dumping duty, to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry and to review the need for continuance of anti-dumping duty on such article;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (5) of section 9A of said Customs Tariff Act read with rules 4, 18 and 23 of the said Customs Tariff Rules, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No.4/2009-Customs, dated the 6th January, 2009, namely :-

In the said notification, in the opening paragraph, after the words, "as well as tinted variety (other than green glass) but not including", the words "reflective glass," shall be inserted.

[F.No. 354/211/2002-TRU(Pt.-I)]

UNMESH SHARAD WAGH, Under Secy.

Note : The principal notification No.4/2009-Customs, dated 6th January, 2009, was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), *vide* G.S.R. No. 14(E), dated 6th January, 2009.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2009

सं. 52/2009-सीमा शुल्क

सा.का.नि. 353(अ).—जबकि चीन जनवादी गणराज्य और संयुक्त अरब अमीरात में उत्पादित अथवा वहां से निर्यातित और भारत में आयातित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 10(975(1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाली विट्रिफाईड औद्योगिक टाईल्स को छोड़कर विट्रिफाईड एवं पोर्सलेन टाईल्स (एतद्पश्चात् विषयागत माल के रूप में उल्लिखित) के आयात के मामले में प्राधिकृत प्राधिकारी भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-I, खंड-1, दिनांक 5 फरवरी, 2003 में प्रकाशित अपने अंतिम निष्कर्षों के जरिए इस निष्कर्ष पर पहुँचे थे कि -

(क) चीन जनवादी गणराज्य और संयुक्त अरब अमीरात से भारत में विषयागत माल का सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात किया गया था जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ;

(ख) भारतीय उद्योग को अत्यधिक क्षति हुई थी;

(ग) क्षति संचयी रूप से चीन जनवादी गणराज्य और संयुक्त अरब अमीरात से आयात के कारण हुई थी और

और घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के दृष्टिकोण से चीन जनवादी गणराज्य और संयुक्त अरब अमीरात से विषयागत माल के सभी आयात पर प्रतिपाटन शुल्क लगाना अनिवार्य समझा था।

और जबकि प्राधिकृत प्राधिकारी के उपर्युक्त निष्कर्षों के आधार पर केन्द्र सरकार ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उपखंड (i), दिनांक 1 मई, 2003 में सा.का.नि. 376(अ), दिनांक 1 मई, 2003 के जरिए प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 73/2003-सीमा शुल्क, दिनांक 1 मई, 2003 के द्वारा विषयागत माल पर प्रतिपाटन शुल्क लगाया था।

और जबकि उपर्युक्त प्रतिपाटन शुल्क की अल्पकालीन समीक्षा जांच में प्राधिकृत प्राधिकारी भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-I, खंड-1 दिनांक 23 अप्रैल, 2008 में प्रकाशित समय-समय पर तथा संशोधित अधिसूचना सं.15/17/2006-डीजीएडी, दिनांक 21 अप्रैल, 2008 के तहत अपने अल्पकालीन अंतिम समीक्षा परिणामों में इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि-

- (क) संयुक्त अरब अमीरात से कोई पाटन नहीं हुआ था ;
- (ख) यदि वर्तमान उपायों को वापस ले लिया जाता तो चीन जनवादी गणराज्य से विषयागत माल के भारतीय बाजार में पाटित मूल्यों पर पहुंचने की संभावना थी ;
- (ग) प्रतिपाटन उपायों के बावजूद भी घरेलू उद्योग को अत्यधिक वर्तमान क्षति हो रही थी और इस बात की ओर संकेत का भी रिकार्ड में कोई साक्ष्य नहीं था कि घरेलू उद्योग पाटन अथवा क्षति से बच जाएगा अथवा प्रतिपाटन शुल्क बंद कर देने पर दुबारा ऐसी क्षति नहीं होगी;

और घरेलू उद्योग को क्षति से बचाने के दृष्टिकोण से चीन जनवादी गणराज्य में उत्पादित अथवा वहां से निर्यातित विषयागत माल पर प्रतिपाटन शुल्क को जारी रखना अनिवार्य समझा था ;

और जब कि प्राधिकृत प्राधिकारी के उपर्युक्त अल्पकालिक समीक्षा के निष्कर्षों के आधार पर केन्द्र सरकार ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड 3, उपखंड (i) में सा.का.नि. 485(अ), दिनांक 27 जून, 2008 के तहत प्रकाशित भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 82/2008-सीमा शुल्क, दिनांक 27 जून, 2008 के तहत विषयागत माल पर संशोधित दर से प्रतिपादन शुल्क लगा दिया है;

और जबकि मैसर्स हुआंगडांग मोनालिसा सिरेमिक कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादन) और मैसर्स पेशन मोनालिसा इंडस्ट्री कं.लि., चीन जनवादी गणराज्य (निर्यातक) ने मैसर्स अता कोर्प, हांगकांग (निर्यातक) (जिन्हें संयुक्त रूप से "पक्षकारों" कहा गया है, सीमा शुल्क डेरिफ (पहचान, मूल्यांकन तथा पाटित वस्तुओं पर प्रतिपादन शुल्क की वसूली और क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 के नियम 22 के निबंधनों के तहत उनके द्वारा किए गए निर्यात की समीक्षा करने का अनुरोध किया था और प्राधिकृत अधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-I, खंड 1, दिनांक 31 जनवरी, 2007 को प्रकाशित नई नौप्रेषक समीक्षा अधिसूचना सं. 15/10/2006-डीजीएडी, दिनांक 31 जनवरी, 2007 के तहत विषयागत पक्षकारों द्वारा निर्मित विषयागत माल के सभी निर्यात माल की समीक्षा को पूर्ण होने तक अंतिम मूल्यांकन करने की सिफारिश की है।

और जबकि प्राधिकृत प्राधिकारी की उपर्युक्त सिफारिश के आधार पर केन्द्र सरकार ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड 3, उपखंड (1) में सा.का.नि. सं. 186 (अ), दिनांक 9 मार्च, 2007 के तहत प्रकाशित अधिसूचना सं. 38/2007-सीमा शुल्क जारी की है, भारत के राजपत्र, असाधारण भाग-II, खंड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित सा.का.नि. 317(अ), दिनांक 30 अप्रैल, 2007 के तहत प्रकाशित अधिसूचना सं. 60/2007-सीमा शुल्क द्वारा यथासंशोधित अधिसूचना के तहत आदेश दिया है कि प्राधिकृत प्राधिकारी द्वारा उक्त समीक्षा के परिणाम को लंबित रहते विषयागत पक्षकारों द्वारा निर्यातित विषयागत माल का जब भारत में आयात किया जाता है तो वह समीक्षा पूरी होने तक अनंतिम मूल्यांकन के अधीन होगा;

और जबकि प्राधिकृत प्राधिकारी ने नई समीक्षा पूरी कर ली है और भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड I, दिनांक 3 मार्च, 2009 में प्रकाशित अधिसूचना सं. 15/10/2006-डीजीएडी, दिनांक 27 फरवरी, 2009 के तहत अपने अंतिम निष्कर्ष में यह निष्कर्ष दिया है कि जांच की अवधि के दौरान विषयागत पक्षकारों द्वारा विषयागत माल का निर्यात मूल्य अपने सामान्य मूल्य से अधिक है, और यह सिफारिश की है कि मैसर्स गुआंगडांग मोनालिसा सिरैमिक कं.लि., चीन जनवादी गणराज्य (उत्पादक) और मैसर्स फोशन मोनालिसा इंडस्ट्री कं.लि., चीन जनवादी गणराज्य (निर्यातक) मार्फत अवा हांगकांग (निर्यातक) से विषयागत माल के आयात पर कोई प्रतिपादन शुल्क न अधिरोपित किया जाए;

अतः अब सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, मूल्यांकन और उन पर प्रतिपादन शुल्क की वसूली तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 के नियम 18, 20 और 22 के साथ पठित उपर्युक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (1) और उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए केन्द्र सरकार उपर्युक्त अंतिम निष्कर्षों के आधार पर, एतद्वारा आदेश देती है कि -

- (ii) अधिसूचना सं. 73/2003-सीमाशुल्क, दिनांक 21 मई, 2003 में निहित किन्हीं बातों के होते हुए, मैसर्स गुआंगडांग मोनालिसा सिरैमिक कं.लि., चीन जनवादी गणतंत्र (उत्पादक) और मैसर्स फोशन मोनालिसा इंडस्ट्री कं.लि., चीन जनवादी गणतंत्र (निर्यातक) से मैसर्स आवा कार्पोरेशन, हांगकांग (निर्यातक) के माध्यम से भारत में आयात किए जाने वाले विषयागत माल पर 9 मार्च, 2007 से लेकर

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 82/2008-सीमा शुल्क, दिनांक 27 जून, 2008 के द्वारा उक्त अधिसूचना का अधिक्रमण किए जाने तक कोई प्रतिपादन शुल्क नहीं लगाया जाएगा ।

- (ii) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 82/2008-सीमा शुल्क, दिनांक 27 जून, 2008 में और आगे भी संशोधन किया जाएगा, यथा :-

उक्त अधिसूचना में प्रारंभिक पैराग्राफ में, 27 जून, 2008 से निम्नलिखित परंतुक जोड़ा जाएगा, यथा :-

“बशर्ते कि मैसर्स गुआंगडोंग मोनालिसा सिरेमिक कं. लि., चीन जनवादी गणतंत्र (उत्पादक) और फोशन मोनालिसा इंडस्ट्री कं.लि., चीन जनवादी गणतंत्र (निर्यातक) से तथा मैसर्स आवा कार्पोरेशन, गुंगकांग (निर्यातक) के माध्यम से भारत में आयात किए जाने वाले विषयागत वस्तु पर कोई प्रतिपादन शुल्क नहीं लगाया जाएगा ।

[फा. सं. 354/75/2009-टी आर यू]

उन्मेष वाघ, अवर सचिव

नोट : प्रधान अधिसूचना सं. 82/2008-सीमाशुल्क, दिनांक 27 जून, 2008 को सा.का.नि. 485(अ), दिनांक 27 जून, 2008 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, के भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में प्रकाशित किया गया था और उसमें अंतिम बार अधिसूचना सं. 94/2008-सीमा शुल्क, दिनांक 1 अगस्त, 2008 के द्वारा संशोधन किया गया था जिसको सा.का.नि. 570 (अ), दिनांक 1 अगस्त, 2008 के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, के भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में प्रकाशित किया गया था ।

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2009

No. 52/2009-CUSTOMS

G.S.R. 353(E).—Whereas in the matter of import of vitrified and porcelain tiles, other than vitrified industrial tiles (hereinafter referred to as “the subject goods”), falling under Chapter 69 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), originating in or exported from the People’s Republic of China and United Arab Emirates and imported into India, the designated authority vide its final findings published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 5th February, 2003, had come to the conclusion that –

- (a) the subject goods had been exported to India from the People’s Republic of China and United Arab Emirates below its normal value resulting in dumping;
- (b) the Indian industry had suffered material injury;
- (c) the injury had been caused cumulatively by the imports from the People’s Republic of China and United Arab Emirates, and

had considered it necessary to impose anti-dumping duty on all imports of the subject goods from the People’s Republic of China and United Arab Emirates in order to remove the injury to the domestic industry;

And whereas, on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had imposed anti-dumping duty on the subject goods vide notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 73/2003-Customs, dated the 1st May, 2003, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 1st May, 2003, vide G.S.R. 376(E), dated the 1st May, 2003;

And whereas, in the sunset review investigation of the aforesaid anti-dumping duty the designated authority in its sunset review final findings vide notification No. 15/17/2006-DGAD, dated the 21st April, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 23rd April, 2008, as amended, had come to the conclusion that –

- (a) there was no dumping taking place from United Arab Emirates,
- (b) the subject goods were likely to enter Indian market at dumped prices from China PR, should the present measures be withdrawn;
- (c) in spite of the anti-dumping measures in place, there existed significant current injury to the domestic industry and there was also no evidence on record to suggest that dumping or the injury to the domestic industry would cease to exist or was not likely to recur in case the anti-dumping duties were discontinued,

and had considered it necessary to continue imposition of the anti-dumping duty on the subject goods originating in, or exported from, China PR in order to remove injury to the domestic industry;

And whereas, on the basis of the aforesaid sunset review findings of the designated authority, the Central Government has imposed anti-dumping duty at the revised rates on the subject goods, vide notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 82/2008-Customs, dated the 27th June, 2008, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R. 485(E), dated the 27th June, 2008;

And whereas, M/s Guangdong Monalisa Ceramic Co. Ltd., People's Republic of China (Producer) and M/s Foshan Monalisa Industry Co. Ltd., People's Republic of China (Exporter) through M/s Ava Corp., Hong Kong (Exporter) (jointly referred to as "the subject parties") had requested for review in terms of rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 in respect of exports made by them, and the designated authority vide New Shipper Review notification No. 15/10/2006-DGAD, dated the 31st January, 2007, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 31st January, 2007, recommended provisional assessment of all exports of the subject goods made by the subject parties till the completion of the review;

And whereas, on the basis of the aforesaid recommendation of the designated authority, the Central Government has issued notification No. 38/2007-Customs, dated the 9th March, 2007, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R. 186 (E), dated the 9th March, 2007 as amended by notification No. 60/2007-Customs, dated the 30th April, 2007, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R. 317(E), dated the 30th April, 2007 ordering that pending the outcome of the said review by the designated authority the subject goods exported by the subject parties, when imported into India, shall be subjected to provisional assessment till the review is completed;

And whereas, the designated authority has completed the New Shipper Review and in its final findings vide Notification No.15/10/2006-DGAD, dated the 27th February, 2009, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 3rd March, 2009 has come to the conclusion that export price of subject goods to India from the subject parties is above its normal value during the period of investigation and has recommended that no anti-dumping duty be imposed on imports of subject goods from M/s Guangdong Monalisa Ceramic Co. Ltd., People's Republic of China (Producer) and M/s Foshan Monalisa Industry Co. Ltd., People's Republic of China (Exporter) through M/s Ava Corp., Hong Kong (Exporter);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and sub-section (5) of section 9A of the said Customs Tariff Act, read with rules 18, 20 and 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government, on the basis of the aforesaid final findings, hereby orders that -

- (i) notwithstanding anything contained in the notification No. 73/2003-Customs, dated the 1st May, 2003, no anti-dumping duty shall be imposed on the imports into India of the subject goods from M/s Guangdong Monalisa Ceramic Co. Ltd., People's Republic of China (Producer) and M/s Foshan Monalisa Industry Co. Ltd., People's Republic of China (Exporter) through M/s Ava Corp., Hong Kong (Exporter), during the period from the 9th March, 2007 till the supersession of the said notification by the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 82/2008-Customs, dated the 27th June, 2008;
- (ii) the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 82/2008-Customs, dated the 27th June, 2008, shall be further amended as follows, namely :-

In the said notification, in the opening paragraph, after the proviso, the following proviso shall be inserted with effect from the 27th June, 2008, namely: -

"Provided that no anti-dumping duty shall be imposed on the imports into India of the subject goods from M/s Guangdong Monalisa Ceramic Co. Ltd., People's Republic of China (Producer) and M/s Foshan Monalisa Industry Co. Ltd., People's Republic of China (Exporter) through M/s Ava Corp., Hong Kong (Exporter)."

[F.No. 354/75/2009-TRU]

UNMESH WAGH, Under Secy.

Note : The principal notification No. 82/2008-Customs, dated the 27th June, 2008, was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R. 485(E), dated the 27th June, 2008 and was last amended by notification No. 94/2008-Customs, dated the 1st August, 2008, which was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R.570(E), dated the 1st August, 2008.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2009

सं. 53/2009-सीमा शुल्क

सा.का.नि. 354(अ).—सीमा शुल्क (पाटित माल की पहचान, निर्धारण एवं प्रतिपाटन शुल्क का संग्रहण एवं क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 के नियम 18, 20 और 22 के साथ पठित, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम (1975 का 51) की धारा 9क की उपधारा (1) और उपधारा (5) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 38/2007-सीमा शुल्क, दिनांक 9 मार्च, 2007, जिसे सा.का.नि. 186 (अ), दिनांक 9 मार्च, 2007 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग-II, खंड-3, उपखंड (i) में प्रकाशित किया गया था, को निरसित करती है, ऐसे निरसन से पूर्ण की गयी अथवा करने से लोप की गई बातों को छोड़ कर, करती है।

[फा. सं. 354/75/2009-टी आर यू]

उन्मेष वाघ, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2009

No. 53/2009-CUSTOMS

G.S.R. 354(E). - In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and sub-section (5) of section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), read with rules 18, 20 and 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 38/2007-Customs, dated the 9th March, 2007, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide G.S.R. 186 (E), dated the 9th March, 2007, except as respect things done or omitted to be done before such rescission.

[F.No. 354/75/2009-TRU]

UNMESH WAGH. Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2009

सं. 54/2009-सीमा शुल्क

सा.का.नि. 355(अ).— सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, यह समाधान होने पर कि जनहित में ऐसा करना आवश्यक है, एतद्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उपखंड (i) में सा.का.नि. 291 (अ) दिनांक 23 जुलाई, 1996 के जरिए प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 39/96-सीमा शुल्क, दिनांक 23 जुलाई, 1996 में पुनः निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:-

उक्त अधिसूचना में, सारणी में क्रम संख्या 32 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ जोड़ी जाएंगी, अर्थात्:-

(1)	(2)	(3)
"33.	रक्षा मंत्रालय के एडी कार्यक्रम के लिए अपेक्षित मशीन, उपस्कर, यंत्र, संघटक, पूर्ज, उपकरण, जुड़नार, रंग, औजार, उपसाधन, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर, कच्चा माल एवं उपभोज्य पदार्थ	यदि,- (क) उक्त माल का आयात सरकार के रक्षा मंत्रालय में कम से कम उप सचिव श्रेणी के अधिकारी द्वारा यथा प्राधिकृत एडी कार्यक्रम के प्राधिकृत वर्क्स सेंटरों से किया जाता है; (ख) प्राधिकृत वर्क्स सेंटर सीमा शुल्क के उपायुक्त अथवा सीमा शुल्क के सहायक आयुक्त, जैसा मामला हो, के पास आयात के समय प्रत्येक मामले में उक्त माल की उनके संबंधित विवरण सहित ऐसी सूची प्रस्तुत करता है जो सदस्य सचिव, कार्यक्रम प्रबंधन बोर्ड, कार्यक्रम एडी अथवा कार्यक्रम निदेशक एडी, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला, हैदराबाद द्वारा विधिवत अधिप्रमाणित हो कि उक्त सूची में उल्लिखित माल कार्यक्रम एडी के उद्देश्य के लिए अपेक्षित हैं और उनका भारत में विनिर्माण नहीं होता है तथा उक्त सूची में उल्लिखित उक्त माल रक्षा मंत्रालय द्वारा कार्यक्रम एडी के उद्देश्य के अंतर्गत और इसके उद्देश्य के लिए अधिप्रमाणित हैं। स्पष्टीकरण:- इस छूट में अंतर्निहित कोई भी बात 31 जुलाई, 2016 को अथवा इसके बाद लागू होगी।"

[फा. सं. 354/92/2009-टी आर यू.]

उन्मेष वाघ, अवर सचिव

नोट : मूल अधिसूचना सं. 39/1996- सीमा शुल्क, दिनांक 23 जुलाई, 1996 भारत के राजपत्र, असाधारण भाग-II, खंड-3, उपखंड (ii) में सा.का.नि.संख्या 291(अ), दिनांक 23 जुलाई, 1996 के जरिए प्रकाशित हुई थी और इसमें अंतिम बार संशोधन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उपखंड (ii) में सा.का.नि. 184 (अ), दिनांक 21 नवम्बर, 2008 के जरिए प्रकाशित अधिसूचना सं. 124/2008-सीमा शुल्क, दिनांक 21 नवम्बर, 2008 के द्वारा किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2009

No. 54/2009-CUSTOMS

G.S.R. 355(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 39/96-Customs, dated 23rd July, 1996, which was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R.291 (E), dated the 23rd July, 1996, namely:—

In the said notification, in the Table, after serial number 32 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be added, namely:—

(1)	(2)	(3)
"33.	Machinery, equipment, instruments, components, spares, jigs, fixtures, dies, tools, accessories, computer software, raw materials and consumables required for the purposes of Programme AD of Ministry of Defence	<p>If,—</p> <p>(a) the said goods are imported by authorized works centres of Programme AD, as may be designated by an officer not below the rank of Deputy Secretary to the Government of India in the Ministry of Defence; and</p> <p>(b) the authorised works centre produces to the Deputy Commissioner of Customs or the Assistant Commissioner of Customs, as the case may be, at the time of import, in each case, a list of the said goods with their relevant description duly certified by the Member Secretary, Programme Management Board, Programme AD or Programme Director AD, Defence Research and Development Laboratory, Hyderabad, to the effect that the goods mentioned in the said list are required for the purposes of Programme AD and shall be used only for the Programme AD and that they are not manufactured in India and the said goods mentioned in the said list are authorized by the Ministry of Defence under and for the purposes of programme AD.</p>

Explanation. — Nothing contained in this exemption shall have effect on or after the 31st day of July, 2016."

[F.No. 354/92/2009-TRU]

UNMESH WAGH. Under Secy.

Note : The principal notification No. 39/1996-Customs, dated 23rd July, 1996 was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii) vide number G.S.R. 291(E) dated the 23rd July, 1996 and was last amended by notification No.124/2008- Customs, dated the 21st November, 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub- section (ii) vide number G.S.R. 184 (E), dated the 21st November, 2008.